भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान

शिमला–171001 हि.प्र.

"न्यू इंडिया मंथन : संकल्प से सिद्धि" एवं भा.कृ. अनु.प –केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान शिमला का 69वां स्थापना दिवस

आज दिनांक 28.8.2017 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद –केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान शिमला ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा देश को विकसित राष्ट्र बनाने हेतु दिये गये मंत्र "न्यू इंडिया मंथन : संकल्प से सिद्धि " पर विस्तार से चर्चा के साथ अपना 69वां स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री वीरेन्द्र कश्यप माननीय सांसद शिमला संसदीय क्षेत्र द्वारा अन्य गणमान्य विशिष्ठ अतिथियों जैसे शिमला शहर के डिप्टी मेयर श्री राकेश कुमार शर्मा, डॉ. वाई एस परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौनी, सोलन के उप–कुलपति डा. एच सी शर्मा एवं केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला के निदेशक डा. एस के चक्रबर्ती इत्यादि की उपस्थिति में परिषद के कुल गीत एवं दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। मुख्य अतिथि महोदय ने किसानों की आमदनी दोगुनी करने हेतु सरकार द्वारा चलाए गए विभिन्न कार्यक्रमों जैसे– जनधन योजना, स्वच्छ भारत–स्वस्थ भारत, पर ड्रॉप–मोर क्रॉप, स्वायल हैल्थ, संतुलित उर्वरक कीटनाशक उपयोग एवं ई–नैशनल एग्रीकल्चरल मार्केटिंग इत्यादि का जिक्र किया तथा किसानों का आह्वान किया कि वे सरकार द्वारा चलाए गए इन कार्यक्रमों को अपनाकर अपनी आमदनी दोगुनी करें। इसी क्रम में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्राालय द्वारा इस संबंध में उपलब्ध कराई गई फिल्म भी दिखाई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने संस्थान के कर्मचारियों एवं अधिकारियों को देश विकास हेतु संकल्प दिलाया।

समारोह के विशिष्ट अतिथि डा. एच. सी. शर्मा, उप–कुलपति डॉ. वाई. एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौनी, सोलन ने अपने संबोधन में हिमाचल प्रदेश के किसानों की आय को दोगुना करने हेतु जल संरक्षण एवं उसके उचित प्रयोग, बांधों का निर्माण, डवार्फ रूट स्टॉक हाई डेंसिटी प्लांटिंग, फसल विभिन्नीकरण, उचित कीटनाशकों का प्रयोग, स्थानीय उत्पादों के प्रयोग इत्यादि पर जोर दिया। डॉ. एस. के. चक्रबर्ती, निदेशक केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला ने संस्थान की आलू अनुसंधान की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए आगामी पांच वर्षों (2017–2022) के दौरान "न्यू इंडिया मंथन : संकल्प से सिद्धि" के संदर्भ में संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इसी क्रम में डॉ. राजेश कुमार सिंह, संभागाध्यक्ष, बीज तकतीकी संभाग ने "न्यू इंडिया मंथन : संकल्प से सिद्धि" के अंतर्गत वर्ष 2022 तक बागवानी किसानों की आमदनी दोगुनी करने हेतु अपनी विशेषज्ञ वार्ता प्रस्तुत की जिसमें उन्होंने नीम कोटेड यूरिया के प्रयोग, ई–मण्डी, क्रॉप इन्श्यूरेंस, जल संरक्षण, कार्बनिक खेती, गुणवत्ता युक्त बीज का प्रयोग, कांट्रेक्ट फार्मिंग, वैल्यू एडीशन व फसलोत्तर नुकसान को कम करने के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला तथा वर्ष 2022 तक किसानों की आमदनी को दोगुना करने के उपाय सुझाए।

समारोह के दौरान मुख्य एवं विशिष्ठ अतिथियों द्वारा कृषि एवं बागवानी क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों जैसे श्री प्रेम चंद ठाकुर को आलू के क्षेत्र में, श्री संजीव शर्मा को सब्जी उत्पादन के क्षेत्र में एवं श्री लोकेन्द्र को फलोत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट पुरस्कारों से सम्मानित किया गया तथा संस्थान द्वारा लिखित आलू साहित्य–बीज उत्पादन तकनीकी, पोटेटो स्टेटिस्टिक व "न्यू इंडिया मंथन : संकल्प से सिद्धि" नामक प्रकाशनों का विमोचन किया गया। इसके अलावा माननीय अतिथियों द्वारा केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला के विभिन्न वर्गों के कर्मचारियों, अधिकारियों जैसे डा. विनय भारद्वाज एवं डॉ. अश्वनी कुमार शर्मा को वैज्ञानिक वर्ग से, डॉ. संजय कुमार शर्मा एवं श्री पुष्पेन्द्र कुमार को तकनीकी वर्ग से, श्री हीरानंद शर्मा एवं श्री अश्वनी गुप्ता को प्रशासनिक वर्ग से तथा श्री बीर बहादुर एवं मणिराम को सहायी वर्ग से उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिये बेस्ट वर्कर अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कृषकों हेतु

आलू प्रशिक्षण पर तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया तथा विद्यार्थियों एवं आलू अनुसंधान के विभिन्न हितधारकों को संस्थान/प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. एन के पाण्डेय, संभागाध्यक्ष सामाजिक विज्ञान एवं कार्यक्रम की प्रस्तुति डॉ. राजेश कुमार सिंह, संभागाध्यक्ष, बीज तकतीकी संभाग द्वारा किया गया।